दुसरी इकाई

१. बरषहिं जलद

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :
(१) कृति पूर्ण कीजिए।
पद्यांश में आए प्राकृतिक जल स्रोत
उत्तर : १) नदी २) समुद्र

(२) निम्न अर्थ को स्पष्ट करने वाली पंक्तियाँ लिखिए :
१. संतों की सहनशीलता
उत्तर: खल के बचन संत सह जैसे।

२. कपूत के कारण कुल की हानि
उत्तर: जिमि कपूत के उपजे, कुल सदधर्म नसाहिं।

(३) तालिका पूर्ण कीजिए:

इन्हें	**यह कहा है**
(१) दादुर	बटु समुदाय
(२) सज्जनों के सद्‌गुण	**तालाब में जल भरना**

(४) जोड़ियाँ मिलाइए:

अ' समूह	**'ब' समूह**
१. दमकती बिजली	अ) दुष्ट की मित्रता
२.नव पल्लव से भरा वृक्ष	ब) साधक के मन का विवेक
३. उपकारी की संपत्ति	क) ससि संपन्न पृथ्वी
४. भूमि की	ड) माया से लिपटा जीव

उत्तर :

अ' समूह	**उत्तर:**
१. दमकती बिजली	दृष्ट की मित्रता
२.नव पल्लव से भरा वृक्ष	साधक के मन का विवेक
३. उपकारी की संपत्ति	उपकारी की संपत्ति - ससि संपन्न पृथ्वी
४. भूमि की	माया से लिपटा जीव

(५) इनके लिए पद्यांश में प्रयुक्त शब्द :

बादल - **जलद**
ग्रह - **पतंग (सूर्य)**
उपग्रह - **महि**
पेड़ - **बिटप**
पौधा - **अर्क-जवान**
पत्ते - **पात**

(६) प्रस्तुत पद्यांश से अपनी पसंद की किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।
उत्तर : कभी-कभी वायु बहुत तेज गति से चलने लगती है। इससे बादल यहाँ-वहाँ गायब हो जाते हैं। यह दृश्य उसी प्रकार लगता है जैसे परिवार में पुत्र के उत्पन्न होने से कुल के उत्तम धर्म (श्रेष्ठ आचरण) नष्ट हो जाते हैं। कभी (बादलों के कारण) दिन में घोर अंधकार छा जाता है और कभी सूर्य प्रकट हो जाता है। तब लगता है, जैसे बुरी संगति पाकर ज्ञान नष्ट हो गया हो और अच्छी संगति पाकर ज्ञान उत्पन्न हो गया हो।
(उत्तर में अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ)